राजस्थान के दुर्ग/किले
Forts of Rajasthan

❖ **दुर्गों के प्रकार – कौटिल्य – चार प्रकार बताये – औदुक, पार्वत, धान्वन, वन दुर्ग**
Types of forts - Kautilya - described four types - Auduk, Parvat, Dhanvan, Van Durg

– शुक्र नीति – 9 प्रकार –
Shukra Niti - 9 types -

1. औदुक दुर्ग (जल दुर्ग) = जल से घिरा हुआ (गागरोण)
   Auduk Durg (Water Fort) = Surrounded by water (Gagaron)
2. गिरि दुर्ग = उच्च गिरि पर स्थित
   Giri Durg = Situated on a high mountain
3. धान्वन दुर्ग =मरूभूमि में बना हुआ (रेगिस्तान)
   Dhanvan Durg = Built in the desert (Desert)
4. वन दुर्ग(बाक्ष दुर्ग) मेवास दुर्ग – चारों तरफ वन, दलदल, कँटिली झाड़ियाँ हो।
   Van Durg (Baksh Durg) Mevas Durg - All around there are forests, swamps, thorny bushes.
5. एरण दुर्ग –जिनके मार्ग खाई, काँटों तथा पत्थरों से दुर्गम बने हो।
   Eran Durg - Whose paths are made inaccessible by ditches, thorns and stones.
6. पारिख दुर्ग – चारों तरफ गहरी खाई हो।
   Parikh Durg - There is a deep ditch all around.
7. पारिध दुर्ग – चारों तरफ बड़ी–बड़ी दीवारों का परकोटा हो।
   Paridh Durg - There is a rampart of big walls all around.
8. सैन्य दुर्ग(नृ दुर्ग) – चतुरंगी सेना से सुरक्षित
   Sainya Durg (Nri Durg) - Protected by a four-fold army
9. सहाय दुर्ग – जिसमें सूर तथा सदा अनुकूल रहने वाले बान्धव लोग रहते हो।
   Sahay Durg - In which Brave and the always friendly Bandhav people live.

नोटः– राजस्थान के छः किलों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है (2013)–
Note:- Six forts of Rajasthan have been included in the UNESCO World Heritage List (2013)-

1. गागरोण दुर्ग (झालावाड़) / Gagron Fort (Jhalawar)
2. चित्तौड़गढ़ / Chittorgarh
3. कुम्भलगढ़ दुर्ग (राजसमंद) / Kumbhalgarh Fort (Rajsamand)
4. रणथम्भौर (सवाई माधोपुर) / Ranthambore (Sawai Madhopur)
5. आमेर किला (जयपुर) / Amer Fort (Jaipur)
6. जैसलमेर किला(सोनार किला) / Jaisalmer Fort (Sonar Fort)

❖ चित्तौड़गढ़ – निर्माता – चित्रांग मौर्य (चित्रांगद)
Chittorgarh - Built by - Chitrang Maurya (Chitrangad)

- उपनाम – किलों का सिरमौर (गढ़ों का गढ़)
  Nickname - Sirmour of forts (Fort of forts)
- किलों में तीर्थ स्थल (गढ़ तो गढ़ चित्तौड़ बाकी सब गढ़ियाँ)
  Pilgrimage sites in forts (Garh is Garh Chittor, rest all are Garhiyan)
- स्थिति – गंभीरी व बेड़च के संगम के किनारे
  Location - On the banks of the confluence of Gambhiri and Bedach
  - मेसा पठार पर (620 मी.) / On the Mesa plateau (620 m)
  - मछली की आकृति में / In the shape of a fish
- 734 ई. में मान मौर्य से बप्पा रावल (कालभोज) ने छीना (हारित मुनि के आशीर्वाद से)
  Bappa Rawal (Kaal Bhoj) snatched it from Maan Maurya in 734 AD (with the blessings of Harit Muni)
- राजस्थान का सबसे बड़ा आवासीय किला(क्षेत्रफल – 28 वर्ग किमी., परिधि – 13 किमी)
  The largest residential fort of Rajasthan (Area - 28 sq. km., perimeter - 13 km)
- इस किले में धान्वन दुर्ग को छोड़कर सभी विशेषताएँ हैं।
  This fort has all the features except Dhanvan Durg.
- प्रवेश द्वार – 7 पोळ
  Entrance gates - 7 Pols
  1. पाडनपोळ (मुख्य) – बाघसिंह रावत की छतरी
     Padanpol (main) - Baghsingh Rawat's chhatri
  2. भैरव पोळ – कल्ला जी की छतरी (4 खम्भे), जयमल की छतरी(6खम्भे)
     Bhairav Pol - Kalla ji's chhatri (4 pillars), Jaimal's chhatri (6 pillars)
  3. हनुमान पोळ / Hanuman Pol
  4. गणेश पोळ / Ganesh Pol
  5. जोड़ला पोळ / Jodla Pol
  6. लक्ष्मण पोळ / Laxman Pol
  7. रामपोळ (अंतिम) – (फत्ता की छतरी)
     Rampol (last) - (Fatta's chhatri)

- इस किले में तीन साके हुए / There were three Sakas in this fort –

साका Saka	सन् Year	अक्रान्ता Invader	शासक Ruler	जौहर Jauhar	सेनापति Commander	सामन्त Feudal
पहला First	1303	अलाउद्दीन Alauddin	रतनसिंह Ratansingh	पद्मिनी (पत्नी) Padmini (wife)	गोरा–बादल Gora-Badal	लक्ष्मण सिंह Laxman Singh
दूसरा Second	1534	बहादुरशाह Bahadur Shah	विक्रमादित्य Vikramaditya	कर्मावती(माँ) Karmavati (mother)	बाघसिंह (देवलिया) Baghsingh (Dewalia)	
तीसरा Third	1568	अकबर Akbar	उदयसिंह Udaysingh	फूलकँवर– पत्नी(फत्ता) Phool Kanwar - wife (Fatta)	जयमल, फत्ता, कल्ला Jaimal, Fatta, Kalla	

- मुख्य इमारतें / भवन / विशेष / Main buildings/Special -

1. नवलखा भंडार (बनवीर) / Navlakha Bhandar (Banveer)
2. लाखोटा बारी (उत्तर में) / Lakhota Bari (in the north)
3. गोरा – बादल महल / Gora - Badal Mahal
4. पद्मिनी महल / Padmini Mahal
5. फतेह प्रकाश महल / Fateh Prakash palace
6. रतनसिंह महल / Ratan Singh palace
7. हिंगलू अहाड़ा के महल / Palaces of Hinglu Ahada
8. मोकळ का समिद्धेश्वर मंदिर / Samidheshwar temple of Mokal
    - मूलतः यह मंदिर परमार राजा भोज के द्वारा बनवाया गया। बाद में 1428 ई. में मोकळ ने इसका जीर्णोद्धार करवाया।
      Originally this temple was built by Parmar King Bhoj. Later in 1428 AD, Mokal got it renovated.
    - परमार राजा भोज ने चित्तौड़ दुर्ग में त्रिभुवन नारायण मंदिर भी बनवाया था।
      Parmar King Bhoj also built the Tribhuvan Narayan Temple in Chittor Fort.
9. जटाशंकर मंदिर / Jatashankar temple
10. अद्भुत जी का जैन मंदिर / Jain temple of Adbhut ji
11. तुलजा भवानी का मंदिर (बनवीर) / Tulza Bhavani's temple (Banveer)
12. शृंगार चँवरी (विवाह मण्डप, जैन मंदिर) / Shringar Chawari (Vivah Mandap, Jain Temple)
    - यहाँ एक जैन मंदिर है जिसका निर्माण महाराणा कुंभा के कोषाध्यक्ष बेलाक ने करवाया था। जिसमें भगवान शांतिनाथ की चौमुखी प्रतिमा थी।
      There is a Jain temple here which was built by Belak, the treasurer of Maharana Kumbha. It had a four-faced idol of Lord Shantinath.
13. कालीका माता मन्दिर / Kalika Mata Mandir
    - यह मुख्यतः 8वीं शताब्दी में बप्पा रावल द्वारा निर्मित एक सूर्य मंदिर था।
      It was primarily a Sun temple built by Bappa Rawal in the 8th century.
14. कुम्भाश्याम मंदिर – विष्णु मंदिर / Kumbhashyam Mandir - Vishnu Mandir
15. सतबीसी देवरा (जैन मंदिर) / Satbisi Devra (Jain Mandir)
16. मीरा बाई मंदिर / Meera Bai Mandir
17. कुकड़ेश्वर महादेव मंदिर / Kukdeshwar Mahadev Temple
18. विजय स्तम्भ (कीर्ति स्तम्भ) (कुम्भा) / Vijay Stambh (Kirti Stambh) (Kumbha)
    - भगवान विष्णु को समर्पित
      Dedicated to Lord Vishnu
19. जैन कीर्ति स्तम्भ (जीजा शाह बघेरवाल) / Jain Kirti Stambh(Jija Shah Bagherwal)
    - भगवान आदिनाथ ऋषभदेव जी को समर्पित
      Dedicated to Lord Adinath Rishabhdev Ji
20. चित्रांग मोरी तालाब / Chitrang Mori Talab
21. रत्नेश्वर तालाब / Ratneshwar pond
22. भीमलत तालाब / Bhimlat pond
23. हाथीकुण्ड / Hathi Kund
24. जयमल जी का तालाब / Jaimal ji's pond

25. झालीबाव / Jhalibav
26. कातण बावड़ी / Katan Bawdi
27. जेठा महाजन बावड़ी / Jetha Mahajan Bawdi
28. सूरज कुण्ड / Suraj Kund
29. गौमुख झरना / Gaumukh Waterfall
30. सलूम्बर की हवेली / Haveli of Salumber
31. रामपुरा की हवेली / Haveli of Rampura
32. भामाशाह की हवेली / Haveli of Bhamashah

नोटः– – अलाऊद्दीन ने किला जीतकर पुत्र खिज्र खाँ को सौंप दिया था और चित्तौड़ किले का नाम खिज्राबाद रख दिया था।

Note: - Alauddin had handed over the fort to his son Khijr Khan after winning it and named the Chittor fort as Khijrabad.

– खिज्रखाँ ने किला मालदेव मूँछाला (सोनगरा) को सौंप दिया।
Khijr Khan handed over the fort to Maldev Muchhala (Sonagra).

– मालदेव सोनगरा ने किला पुत्र जैसा को सौंप दिया।
Maldev Sonagra handed over the fort to his son Jaisa.

– जैसा को हराकर 1326 में हम्मीर सिसोदिया ने किले पर पुनः अधिकार कर लिया था।
Hammir Sisodiya recaptured the fort in 1326 after defeating Jaisa.

नोट / Note : – नवलखा द्वार – रणथम्भौर / Navalkha Gate - Ranthambore
– नवलखा झील – बून्दी / Navalkha Lake - Bundi

- 10वीं शताब्दी के अंत में मालवा के परमार शासक ''मुंज'' ने चित्तौड़ पर अधिकार कर लिया था।
  At the end of the 10th century, the Parmara ruler of Malwa, Munj, captured Chittor.
- 11वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में गुजरात के चालुक्य शासक जससिंह सिद्धराज का चित्तौड़ पर अधिकार रहा।
  In the first half of the 11th century, the Chalukya ruler of Gujarat, Jassingh Siddharaj, captured Chittor.
- 1568–1615 ई. तक यह किला मुग़लों के अधिकार में रहा।
  This fort remained under the control of Mughals from 1568-1615 AD.

❖ **चुरू का किला – निर्माता – कुशालसिंह (1739)**
Churu Fort - Built by - Kushal Singh (1739)

- चांदी के गोले दागने वाला किला
  Fort that fired silver bullets
- बीकानेर + अंग्रेजों के विरूद्ध युद्ध में (1814)
  In the war against Bikaner + the British (1814)
- बीकानेर की सेना का नेतृत्व अमरचंद सुराणा कर रहे थे। (इस समय बीकानेर के राजा सूरत सिंह थे।)
  The army of Bikaner was led by Amarchand Surana. (At this time, the king of Bikaner was Surat Singh.)
- इस समय चुरू के ठाकुर शिवजी सिंह थे।
  At this time the Thakur of Churu was Shivji Singh.
- इस किले में मेहता मेघराज की देवली, गोपीनाथ जी का मंदिर स्थित है।

In this fort, the temple of Mehta Meghraj and Gopinathji are situated.

❖ **रणथम्भौर दुर्ग – सवाई माधोपुर – गिरि दुर्ग/वन दुर्ग**
Ranthambore Fort - Sawai Madhopur - Giri Durg/Van Durg

- निर्माण – चौहान शासकों द्वारा (8वीं शताब्दी में) – मान्यता – रणथानदेव चौहान
  Built- By Chauhan rulers (in the 8th century) - Believed that - Ranthandev Chauhan
- अण्डाकार आकृति की पहाड़ी पर
  On an oval shaped hill
- सात पहाड़ियों से घिरा हुआ (दूर से दिखाई नहीं देता)
  Surrounded by seven hills (not visible from a distance)
- अबुल फजल – बाकी सभी दुर्ग नंगे हैं जबकि यह बख्तर बंद है।
  Abul Fazal: All the other forts are bare while this one is covered with armour.
- रणथम्भौर किले के बारे में अमीर खुसरो के कथन
  Statements by Amir Khusro about Ranthambore Fort
  - आज कुफ्र का गढ़ इस्लाम का घर हो गया।(अलाउद्दीन के अधिकार होने पर कहा)
    Today the fort of Kufra has become the home of Islam. (Said when Alauddin took over)
  - रणथम्भौर दुर्ग में चावल का एक दाना सोने की दो मोहरों से महँगा हो गया था।(अलाउद्दीन के घेरे के समय कहा)
    In Ranthambore fort, a grain of rice had become costlier than two gold coins. (Said during the siege of Alauddin)

- **1301 – साका (राजस्थान का पहला साका)/shaka (First saka of Rajasthan)**

अक्रान्ता / Invader	केसरिया / Kesariya	जौहर / Jauhar
अलाउद्दीन / Alauddin	हम्मीर / Hammir	रंगदेवी(हम्मीर की रानी) Rangdevi (Queen of Hammir)
↓	↓	
रणथम्भौर पर 11 जुलाई 1301 को अधिकार किया On 11 July 1301 Captured Ranthambore.	पुत्री – देवल– Daughter - Deval पद्म/रनिहाड़ तालाब में आत्म बलिदान किया।(जल जौहर) Self-sacrifice in Padma/Ranihad pond (Jal Jauhar)	

- जलालुद्दीन – मैं ऐसे 10 किलों को मुसलमान की दाढ़ी के एक बाल के बराबर भी नहीं समझता। (असफल होने पर कहा)
  Jalaluddin - I do not consider 10 such forts to be equal to single hair of Muslim's beard (Said when he failed)
- द्वार (पोळ) – 5 – नौलखा, हाथी, गणेश, सूरज, त्रिपोलिया (अंधेरी दरवाजा)
  Gate (Pol) - 5 - Naulakha, Hathi, Ganesh, Suraj, Tripolia (Andheri Darwaza)
- नामकरण – रणतःपुर/रणस्तम्भपुर
  Naming – Ranthapur/Ranastambhpur
- परिधि – 12 किमी

Perimeter - 12 km

- ऊँचाई – 481 मीटर / Height - 481 m
- रणथम्भौर दुर्ग में इमारतें भवन / Buildings in Ranthambore Fort –
  - जोगी महल / Jogi Mahal
  - सुपारी महल / Supari Mahal
  - जौंरा–भौंरा(अनाज भंडार) / Jaunra-Bhaunra (Grain stores)
  - पीर सदरूदीन की दरगाह / Peer Sadruddin's Dargah
  - अकबर की टकसाल / Akbar's Mint
  - हम्मीर की कचहरी / Hammir's Court
  - रनिहाड़ तालाब / Ranihad Pond
  - पद्मला तालाब / Padmala Pond
  - मलिक तालाब / Malik Pond
  - त्रिनेत्र गणेश मंदिर / Trinetra Ganesh Temple
  - लक्ष्मीनारायण मंदिर / LaxmiNarayan Temple
- 32 खम्भों की छतरी – हम्मीर ने पिता जैत्रसिंह की याद में बनाई। (न्याय की छतरी)
  Chhatri of 32 pillars - Hammir built it in memory of his father Jaitra Singh. (Chhatari of Justic)
- बूंदी शासक सुरजन हाड़ा ने 1569 में यहाँ अकबर की अधीनता स्वीकार की थी।
  Bundi ruler Surjan Hada accepted Akbar's suzerainty here in 1569.
- रजिया सुल्तान ने भी इस दुर्ग को घेरा था लेकिन वह असफल हो गई थी।
  Razia Sultan also besieged this fort but she was unsuccessful.
- बलबन ने इस किले पर तीन बार आक्रमण किए थे।
  Balban attacked this fort thrice.
- राणा कुंभा और राणा सांगा का इस किले पर अधिपत्य रहा।
  Rana Kumbha and Rana Sanga ruled over this fort.
- 1534 में मेवाड़ महाराणा विक्रमादित्य ने यह किला गुजरात के शासक बहादुरशाह को सौंप दिया था।
  In 1534, Mewar Maharana Vikramaditya handed over this fort to Bahadur Shah, the ruler of Gujarat.

नोट :– इस किले के लिए कोटा और जयपुर रियासत के मध्य भटवाड़ा का युद्ध हुआ।
Note:- The battle of Bhatwada was fought between Kota and Jaipur kingdoms for this fort.

❖ जूनागढ़ (बीकानेर) – निर्माता – रायसिंह
Junagarh (Bikaner) - Built by - Rai Singh

- निर्माण काल – 1589–1594 / Construction period - 1589-1594
- मंत्री कर्मचन्द की देख–रेख में / Under the supervision of Minister Karmchand
- अन्य नाम – 1. राती घाटी का किला 2. जमीन का जेवर 3. गढ़ चिंतामणि
  Other names - Fort of Rati Ghati Jewel of the land Garh Chintamani
- आकृति – चतुर्भुजाकार / Shape - Chaturbhujakaar
- 37 बुर्ज हैं / There are 37 towers
- चारों तरफ खाई है। / There is a moat all around

- राजस्थान में सबसे पहले लिफ्ट इसी किलें में लगवाई।
  The first lift in Rajasthan was installed in this fort
- द्वार/पोळ –मुख्य – पूर्वी – कर्णपोळ, पश्चिमी – चाँदपोळ
  Gates/poles - Main - Eastern- Karnapol, Western- Chandpol
- अन्य – दौलत पोळ, फतेहपोळ, रतनपोळ, सूरजपोळ, ध्रुवपोळ
  Others - Daulat Pol, Fatehpol, Ratanpol, Surajpol, Dhruvapol
    - इसके आगे जयमल–फत्ता की गजारूढ़ मूर्तियाँ लगी है।
      In front of the gate are the statues of Jaimal-Fatta riding elephants.
    - इस पर रायसिंह प्रशस्ति उत्कीर्ण है।
      Raisinh's eulogy is engraved on the gate.
    - इसमें गणेशजी का मंदिर है।
      there is a temple of Lord Ganesha in it.

- **इमारतें/विशेष / Buildings/Special –**
    - अनूप महल (इसमें रखा हिंडोला प्रसिद्ध है) – इस महल में सोने की कलम से काम किया हुआ है।
      Anup Mahal (the swing kept in it is famous) - This palace has work done with gold pen.
    - गंगाविलास महल/ Ganga Vilas Mahal
    - हर मंदिर/ Har Mandir
    - रायसिंह का चौबारा (साळ)/ Raisingh's Chaubara (Saal)
    - फूल महल/ Phool Mahal
    - दलेल निवास/ Dalel Niwas
    - चीनी बुर्ज, सुनहरी बुर्ज/ Chini Burj, Sunhari Burj
    - सूरत निवास/ Surat Niwas
    - रतन निवास/Ratan Niwas
    - कर्ण महल/Karna Mahal

➢ इस किले में लोकदेवता हड़बू जी साँखला की कटार, पदमसिंह की तलवार, महाराजा रायसिंह की छड़ी, भँवर ढोल, कर्ण आदि ऐतिहासिक वस्तुएँ रखी हुई हैं।
Historical objects like the dagger of folk deity Hadbuji Sankhla, the sword of Padamsingh, the stick of Maharaja Raisingh, Bhanwar drum, Karna etc. are kept in this fort.

➢ महाराजा अनूपसिंह को मिले 'माहीमरातीब' भी रखे हुए हैं।
The 'Mahimaratib' given to Maharaja Anup Singh is also kept here.

➢ जब बीकानेर राजपरिवार लालगढ़ पैलेस में रहने लग गया तब इस किले को 'जूनागढ़' कहा जाने लगा।
When the Bikaner royal family started living in the Lallgarh Palace, then this fort came to be known as 'Junagadh'.

❖ **भटनेर दुर्ग – (हनुमानगढ़) – घग्घर के किनारे (धान्वन)**
Bhatner Fort - (Hanumangarh) - On the banks of Ghaggar (Dhanvan)

- निर्माण – भाटी राजा भूपत (तीसरी शताब्दी में)
  Built by - Bhati King Bhupat (in the third century)

- दिल्ली–मुल्तान मार्ग पर / On Delhi-Multan Road
- इसे उत्तरी सीमा का प्रहरी दुर्ग भी कहा जाता है। (उत्तर भड़ किवाड़, भाटी झालण भार)
  It is also called the sentinel fort of the northern border. (uttar bhad kiwad, Bhati Jhalan Bhar)
- 52 बुर्जे / 52 Burj
- सर्वाधिक आक्रमण झेलने वाला किला / The fort that faced the most attacks
- 1001 – गजनवी ने आक्रमण किया / 1001 - Ghaznavi attacked
- 1398 – तैमूर लंग ने आक्रमण किया (हिन्दु महिलाओं के साथ मुस्लिम महिलाओं ने भी जौहर किया)
  Timur Lang attacked (Muslim women also committed Jauhar along with Hindu women)
- तैमूर – भारत का सबसे सुरक्षित किला
  Timur - India's most secure fort
- 1527 – राव जैतसी ने जीता / 1527 - Rao Jaitsi won
- 1534 – कामरान ने जीता / 1534 - Kamran won
- 1570 – अकबर ने जीता / 1570 - Akbar won
- 1805 – सूरत सिंह (बीकानेर) ने जीता – वार– मंगलवार था (इसलिए नाम –हनुमानगढ़ रखा)
  1805 - Surat Singh (Bikaner) won - Day - Tuesday (hence the name - Hanumangarh)
- इमारतें / Buildings –
  1. दलपत सिंह एवं उनकी छः रानियों का चबूतरा
     Platform of Dalpat Singh and his six queens
     - रायसिंह(बीकानेर) का पुत्र
       son of Rai Singh (Bikaner)
  2. बलबन के भाई शेरखान की क्रब
     Grave of Sher Khan, brother of Balban

❖ **तारागढ़ (अजमेर) – गिरि दुर्ग – (हरविलास शारदा के अनुसार भारत का प्रथम गिरि दुर्ग)**
Taragarh (Ajmer) - Giri Durg - (According to Harbilas Sharda, India's first Giri Durg)

- निर्माता – अजयराज चौहान / Built by - Ajayraj Chauhan
- पुराना नाम – अजयमेरू गढ़ / Old name - Ajaymeru Garh
- अन्य नाम / Other names
  - तारागढ़ – पृथ्वीराज सिसोदिया(उडणा राजकुमार) की पत्नी तारा पर पड़ा
    Taragarh - named after Tara, wife of Prithviraj Sisodia (Udna Prince)
  - गढ़बीठली (पहाड़ी) / Garhbithli (hill)
  - राजस्थान का 'जिब्राल्टर' (बिषप हैबर ने कहा)
    'Gibraltar' of Rajasthan (Bishop Haber said)
- द्वार / Gates – 6
- बुर्ज – 14 – प्रमुख – घूंघट, श्रृंगार चँवरी बुर्ज, जानू नायक की बुर्ज, पीपली, इब्राहिम शहीद की बुर्ज, सैय्यद बुर्ज, गूगड़ी, फूटी, बांद्रा, इमली।
  Burj - 14 - Prominent/Major - Ghunghat, Shringar Chanwari Burj, Janu Nayak's Burj, Peepli, Ibrahim Shaheed's Burj, Syed Burj, Googadi, Footi, Bandra, Imali.
- 5 बड़े जलाशय – नाना साहेब का झालरा, गोलझालरा, इब्राहिम झालरा, बड़ा झालरा

5 big reservoirs - Nana Saheb's Jhalra, Goljhalra, Ibrahim Jhalra, Bada Jhalra

- रूठी रानी उमादे भटियाणी ने अपना कुछ समय यहाँ बिताया था।
  The angry queen Umade Bhatiyani spent some time here.
- दारा शिकोह इसमें छुपकर रहा था(औरंगजेब का भाई)
  Dara Shikoh (Aurangzeb's brother) stayed hidden in it
- जोधपुर शासक विजयसिंह ने जयप्पा सिंधिया की हत्या के बदले में यह किला मराठों को दे दिया था।
  The Jodhpur ruler Vijay Singh gave this fort to the Marathas in exchange for the murder of Jayappa Scindia.
- इमारतें / Buildings –
  - मीरान साहब की दरगाह(किले के पहले गर्वनर) (मीर सैय्यद हुसैन खिंगसवार)
    The dargah of Miran Saheb (the first governor of the fort) (Mir Syed Hussain Khingsawar)
  - घोड़े की मजार / The tomb of the horse
  - हिंजड़े की मजार / The tomb of the eunuch
  - पृथ्वीराज चौहान का स्मारक / The memorial of Prithviraj Chauhan
  - शीशाखाना गुफा / The Sheeshkhana cave
  - हैरिटेज फिल्म लाइब्रेरी / The Heritage Film Library

नोटः– लॉर्ड बेंटिक ने इस किले का कुछ भाग तुड़वाया था।
Note:- Lord Bentinck had some part of this fort demolished.

❖ **जालौर किला / Jalore Fort –**

आभ फटै, धर ऊलटे कटे बगतरां कोर।
सीस पड़े धड़ तडफडे जद छूटे जालौर।।
Aabh Fatai, dhar Oolte kate bagtaran Kor.
Sees pade dhar tadfade jad chhute Jalore.

- निर्माता – नागभट्ट प्रथम (प्रतिहार शासक)
  Built by - Nagabhatta I (Pratihara ruler)
- सूकड़ी नदी के किनारे
  On the banks of Sukdi river
- उपनाम – जाबालीपुर, सोनगढ़, सोनलगढ़, सुवर्ण गिरि, कनकाचल
  Nickname - Jabalipur, Songarh, Sonalgarh, Suvarna Giri, Kankachal
  –जलालाबाद – यह नाम अलाउद्दीन खिलजी ने 1311 में इस किले को जीत कर रखा।
  Jalalabad - This name was given by Alauddin Khilji after conquering this fort in 1311.
- 1311 ईस्वी. में शाका – 1311 AD. Shaka -

अक्रान्ता / Invader	शासक / ruler		जौहर / Jauhar
अलाउद्दीन / Alauddin →	कान्हड़देव / Kanhaddev's →	रानी / queen →	जैतलदे / Jaitalde

कान्हड़देव ↓ पुत्र – विरमदेव सोनगरा चौहान
Son - Viramdev Songara Chauhan

- जोधपुर के शासक मानसिंह ने इसमें स्वयं को मारवाड़ का शासक घोषित किया था।

Jodhpur's ruler Mansingh declared himself the ruler of Marwar in this.

- इस किले में मारवाड़ के प्रमुख नेताओं को नजरबंद रखा गया (मथुरादास माथुर, गणेशीलाल व्यास, फतहराज, तुलसीदास)
  Marwar's prominent leaders were kept under house arrest in this fort (Mathuradas Mathur, Ganeshilal Vyas, Fatehraj, Tulsidas)
- इमारतें / विशेष / Buildings/Special –
  1. खिलजी मिनार / Khilji Minar
  2. अलाई मस्जिद / Alai Masjid
  3. तोपखाना मस्जिद (पहले यह भोज परमार निर्मित संस्कृत पाठशाला थी)
     Topkhana Masjid (Earlier it was a Sanskrit school built by Bhoj Parmar)
  4. मलिक शाह की दरगाह / Malik Shah's Dargah
  5. जैन मंदिर / Jain Temple
  6. जोगमाया का मंदिर / Jogmaya Temple
  7. मानसिंह के महल / Mansingh's Palace
  8. दो मंजिला रानी महल / Two-storeyed Rani Mahal
  9. सूरज पोळ – किले का प्रथम प्रवेश द्वार
     Suraj Pol - the first entrance to the fort
  10. परमारकालीन कीर्ति स्तम्भ
      Kirti Stambh of the Parmar period
- इस किले की अजेयता के बारे में 'ताज–उल–मासिर' में हसन निजामी ने लिखा – ''यह ऐसा किला है जिसका दरवाजा कोई आक्रमणकारी नहीं खोल सका।''
  About the invincibility of this fort, Hasan Nizami wrote in 'Taj-ul-Masir' - "This is such a fort whose door no attacker could open."

❖ **सिवाणा किला – (बालोतरा) / Siwana Fort - (Balotara)**

- किलो अणखलो यूँ कहै आव कला राठौड़
  मो सिर उतरे मेहणो तो सिर बँधे मोड़
  Kilo Ankhlo yun kahe aav kala rathore
  mo sir utre mehno to sir bandhe mod
- निर्माता – वीर नारायण पँवार (954 ई)
  Built by - Veer Narayan Panwar (954 AD)
- पहाड़ी – हल्देश्वर की पहाड़ी
  Hill - Haldeshwar's hill
- उपनाम / Nickname –
  - जालौर दुर्ग की कुँजी, कूमट दुर्ग, अणखलो सिवाणों।
    Key of Jalore fort, Koomat fort, Ankhlo Siwano
  - खैराबाद– यह नाम अलाउद्दीन ने 1308 में इस किले को जीत कर रखा।
    Khairabad- This name was given by Alauddin after conquering this fort in 1308.
  - मारवाड़ के शासकों की शरण स्थली
    Refuge of rulers of Marwar

- 2 साके हुए –
  2 Sakas happened -
  - पहला – 1308
    First - 1308
  - दूसरा / second –1589–90

अक्रान्ता	शासक
Invader	ruler
अलाउद्दीन खिलजी	शातल–सोम
Alauddin Khilju	Shatal-Som
अकबर / Akbar	कल्ला रायमलोत / Kalla Raimalot

  - अकबर ने उदयसिंह(मोटाराजा) को भेजा था।
    Akbar had sent Udai Singh (Motaraja).

- अलाउद्दीन के हमले के समय भावला नामक व्यक्ति ने किले में स्थित माँडेलाव/भाँडेलाव तालाब को गौ–मांस से दूषित कर दिया था।
  During Alauddin's attack, a person named Bhavala polluted the Mandelaav/Bhandelaav pond situated in the fort with cow meat.
- गिरि–सूमेल युद्ध के बाद मालदेव ने इसी किले में शरण ली थी।
  After the Giri-Sumel war, Maldev took refuge in this fort.
- इस किले में / In this for –
  - कल्ला रायमलोत का थड़ा
    Kalla Raimalot's Thada
  - महाराजा अजीतसिंह का दरवाजा
    Maharaja Ajit Singh's door
  - हल्देश्वर महादेव मंदिर
    Haldeshwar Mahadev temple

❖ **आमेर किला – जयपुर**
Amer Fort - Jaipur

- पुराने खण्डर मीणाओं द्वारा निर्मित थे
  The old ruins were built by Meenas
- निर्माता – मानसिंह
  Built by - Man Singh
- अन्य नाम – काकिलगढ़ – 1207 आमेर को काकिलदेव ने राजधानी बनाया।
  Other name - Kakilgarh - 1207 Kakildev made Amer the capital.
  - कछवाहों की तीसरी राजधानी
    third capital of Kachwahas
- महल आकृति में बना है – (किला– सुरक्षा/महल – निवास)
  It is built in palace shape - (Fort - Security/Palace - Residence)
- सर्वाधिक मुगल प्रभाव दिखता है
  Most Mughal influence is visible
- इसमें लखनऊ जैसी भूल–भूलैया है।
  It has a maze like Lucknow
- इस किले से पर्यटन विभाग को सर्वाधिक राजस्व मिलता है।
  The tourism department gets maximum revenue from this fort.
- पोळ – जयपोळ, सूरजपोळ, चांदपोळ, सिंहपोळ, गणेशपोळ।
  Pol – Jaipol, Surajpol, Chandpol, Singhpol, Ganeshpol.

- इमारतें / Buildings –
  - दीवान – ए – आम – मिर्जा जयसिंह (आम दरबार)
    Diwan-e-Aam - Mirza Jai Singh (Aam Darbar)
  - दीवान – ए – खास – मिर्जा जयसिंह (खास दरबार)
    Diwan-e-Khas - Mirza Jai Singh (Khas Darbar)
  - केसर क्यारी (सेफ्रोन गार्डन) – मिर्जा जयसिंह
    Kesar Kyari (Saffron Garden) - Mirza Jai Singh
    (सांयकाल में यहाँ लाइट एण्ड साउण्ड शो होता है।)
    (Light and sound show takes place here in the evening.)
  - दौलाराम का बाग / Daula Ram's Garden
  - मावठा जलाशय / Mavtha Reservoir
  - शीशमहल / Sheesh Mahal
  - सुख मंदिर / Sukh Mandir
  - यश मंदिर / Yash Mandir
  - सौभाग्य मंदिर / Saubhagya Mandir
  - जगत शिरामणि मंदिर / Jagat Shiromani Temple
    - इसमें भगवान कृष्ण की वही मूर्ति है जिसकी पूजा चित्तौड़ में मीराबाई करती थी।
      It has the same idol of Lord Krishna which Mirabai used to worship in Chittor.
    - यह मंदिर मानसिंह प्रथम की रानी कनकावती ने अपने पुत्र जगतसिंह की स्मृति में करवाया था।
      This temple was built by Queen Kanakwati of Mansingh I in memory of her son Jagatsingh.
  - नृसिंह मंदिर / Narsingh Mandir
    - इसमें बना हुआ संगमरमर का हिंडौला प्रसिद्ध है।
      the marble swing made in it is famous.
  - जलैब चौक / Jalaib Chowk
    - शिलामाता का मंदिर / Shilamata's Temple
  - बाला बाई की साळ / Bala Bai's Saal
  - गणेश पोल– सवाई जयसिंह / Ganesh Pol - Sawai Jai Singh

नोटः– मुगल बादशाह बहादुरशाह प्रथम ने कुछ समय के लिए आमेर को हस्तगत किया था तथा इसका नाम – मोमिनाबाद / इस्लामाबाद रखा था। आमेर को Iconic Tourism Destination के रूप में विकसित किया जाएगा

Note: - Mughal emperor Bahadur Shah I had captured Amer for some time and named it - Mominabad/Islamabad. Amer will be developed as a "Iconic Tourism Destination".

नोट :– बिशप हैबर ने आमेर के महलों के बारे में कहा ''मैंने क्रेमलीन में जो कुछ देखा और अल्हाम्ब्रा के बारे में जो कुछ सुना है उससे बढ़कर यह महल है।''

Note:- Bishop Heber said about the palaces of Amer, "This palace is superior to what I saw in the Kremlin and what I have heard about the Alhambra."

❖ **जयगढ़ –(जयपुर)/ Jaigarh - (Jaipur)**

- ईगल की पहाड़ी पर/ On Eagle's Hill
- निर्माण शुरू करवाया – मानसिंह ने/ Construction started by - Man Singh
- पूरा करवाया – मिर्ज़ा राजा जयसिंह ने / Completed by - Mirza Raja Jai Singh
- पहले चील का टोला कहा जाता था/ Earlier it was called Cheel ka Tola
- वर्तमान स्वरूप दिया – सवाई जयसिंह ने / Present form was given by - Sawai Jai Singh
  - इसमें जयबाण तोप रखवायी।
    Jaibaan cannon was placed in it.
    - मारक क्षमता – 32 किमी.
      Firing range - 32 km.
    - एक बार चलाया – चाकसू का तालाब बन गया।
      it was used once - Chaksu pond was formed.
- इसमें हथियार बनाने का कारखाना है ।(तोप ढालने का कारखाना)
  There is a factory for making weapons in it. (Cannon casting factory)
- आमेर के कच्छावा शासकों का संकट मोचक किला
  The crisis-solving fort of Kachhwa rulers of Amer
- कछवाह शासकों का खजाना था इसमें
  The treasure of Kachhwa rulers was in it
- आपातकाल में इंदिरा गांधी ने खजाने की खुदवाई करवायी थी
  In the emergency, Indira Gandhi had the treasure excavated
- पानी के विशाल टांके बने हैं। (खजाना इसके नीचे था)
  Huge water tanks have been made. (The treasure was under it)
- गुप्त सुरंगों के कारण रहस्यमयी किला कहलाता है।
  It is called a mysterious fort because of secret tunnels.
- विजयगढ़ी – यहाँ राजनैतिक कैदियों को रखा जाता था सवाई जयसिंह ने अपने छोटे भाई विजयसिंह (चीमाजी) को वहाँ रखा था।
  Vijaygarhi - Political prisoners were kept here. Sawai Jai Singh kept his younger brother Vijay Singh (Chimaji) there.
- विजयगढ़ी के पार्श्व में एक सात मंजिला प्रकाश स्तम्भ है जो 'दीया बुर्ज' कहलाता है।
  There is a seven-storey lighthouse on the side of Vijaygarhi which is called 'Diya Burj'.

❖ **नाहरगढ़ – (जयपुर)/ Nahargarh - (Jaipur)**

- निर्माता – सवाई जयसिंह (1734)
  Built by - Sawai Jai Singh (1734)
- उद्देश्य – मराठा आक्रमणों से बचने के लिए
  Purpose - To protect from Maratha attacks
- पहले नाम – सुदर्शनगढ़
  Earlier name - Sudarshangarh
- बाद में नाहरसिंह जी भोमिया के नाम पर इस किले का नाम नाहरगढ़ पड़ा।
  Later this fort was named Nahargarh after Naharsingh Ji Bhomia.

- जयपुर का पहरेदार किला
  Jaipur's guard fort
- रसकपूर को यहाँ बंदी बनाकर रखा गया (जगतसिंह द्वितीय की प्रेमिका)
  Ras Kapoor was kept captive here (Jagat Singh II's lover)
- माधोसिंह द्वितीय ने नौ एक जैसे महल बनाए (पासवानों के लिए) – सूरज प्रकाश, जवाहर प्रकाश, खुशहाल प्रकाश, ललित प्रकाश, आनन्द प्रकाश, लक्ष्मी प्रकाश, चांद प्रकाश, फूल प्रकाश, बसन्त प्रकाश।
  Madho Singh II built nine identical palaces (for Paswans) - Suraj Prakash, Jawahar Prakash, Khushal Prakash, Lalit Prakash, Anand Prakash, Lakshmi Prakash, Chand Prakash, Phool Prakash, Basant Prakash.
- विशेषः– माधवेन्द्र पैलेस – Sculpture park
  Special: - Madhavendra Palace – Sculpture park

❖ **लोहागढ़ – भरतपुर / Lohagarh - Bharatpur**

- निर्माता – सूरजमल
  Built by- Surajmal
- पारिख दुर्ग – खाई में मोतीझील से सुजानगंगा नहर द्वारा पानी आता है।
  Parikh Fort - Water comes to the moat from Motijheel through Sujan Ganga canal.
- द्वार – (1) अष्ट धातु / दिल्ली द्वार (उत्तरी) – जवाहर सिंह दिल्ली से लाये थे।
  Gates - Ashta Dhatu/Delhi Dwar (Northern) - Jawahar Singh brought it from Delhi.
  (2) लोहिया (दक्षिणी) / Lohia (Southern)
- 8 विशाल बुर्ज, 40 अर्द्धचन्द्राकार / 8 huge towers, 40 crescent shaped
- पानीपत के तीसरे युद्ध में भागते मराठा सैनिकों को अहमद शाह अब्दाली के विरूद्ध महाराजा सूरजमल ने इस किले में शरण दी।
  During the Third Battle of Panipat, Maharaja Suraj Mal gave shelter in this fort to Maratha soldiers escaping from Ahmed Shah Abdali.
- रणजीत सिंह ने मराठा सेनापति जसवंत राव होल्कर को यहाँ शरण दी थी
  Ranjit Singh gave shelter to Maratha commander Jaswant Rao Holkar here
  (दूसरे आंग्ल–मराठा युद्ध के दौरान) / (During the Second Anglo-Maratha War)
- लॉर्ड लैक ने 5 आक्रमण किए (असफल) – लोहागढ़ कहलाया।
  Lord Lake made 5 attacks (unsuccessful) - called Lohagarh.
- चार्ल्स मेटकॉफ– अंग्रेजों की प्रतिष्ठा, इज्जत भरतपुर की लड़ाई में दब गई थी।
  Charles Metcalfe - The prestige and honour of the British was suppressed in the battle of Bharatpur.
  - समाचार पत्रों का मुक्तिदाता / liberator of newspapers
- इमारतें / Buildings –
  - जवाहर बुर्ज – जवाहर सिंह – दिल्ली जीत की याद में
    Jawahar Burj - Jawahar Singh - in memory of victory over Delhi
  - फतेह बुर्ज – रणजीत सिंह – अंग्रेजों से फतेह की याद में
    Fateh Burj - Ranjit Singh - in memory of victory over British
  - किशोरी महल / Kishori Mahal
  - दादीमाँ का महल / Dadi Maa's Palace

- वजीर की कोठी / Wazir's Kothi
- गंगा मंदिर / Ganga Mandir
- लक्ष्मण मंदिर / Lakshman Mandir
- खेमकरण जाट की गढ़ी (चौबुर्जा) / Khemkaran jat's Gadhi (Chauburja)
- दोहरी प्राचीर (आंतरिक – ईंट–पत्थरों से, बाहरी– मिट्टी से)
  double rampart (inner - made of bricks and stones, outer - made of mud)

❖ **बयाना दुर्ग – भरतपुर – दमदमा पहाड़ी पर**
Bayana Fort - Bharatpur - on Damdama Hill

- निर्माता – विजयपाल / Built by - Vijaypal
- अन्य नाम – विजय मंदिर गढ़, बादशाह का किला, सुल्तानकोट, बाणासुर दुर्ग, भदानक (दशरथ शर्मा)
  Other names - Vijay Mandir Garh, Badshah ka Qila, Sultankot, Banasur Durg, Bhadanak (Dashrath Sharma)
- खानवा युद्ध के बाद बाबर यहाँ आया था।
  Babar came here after the Khanwa war.
- इमारतें / Buildings–
  - विजयस्तम्भ – समुद्रगुप्त – राजस्थान का पहला विजय स्तम्भ
    Vijay Stambh - Samudragupta - Rajasthan's first Vijay Stambh
  - अकबर की छतरी / Akbar's Chhatri
  - जहाँगीरी दरवाजा / Jahangiri Darwaza
  - लोदी मिनार / Lodi Minar
  - दाउद खाँ की मिनार / Daud Khan's Minar
  - सादुल्लासराय (धर्मशाला) / Sadullasrai (Dharamshala)
  - भीमलाट – इसका निर्माण राजा विष्णुवर्द्धन पुण्डरीक ने करवाया।
    Bhimlat - It was constructed by King Vishnuvardhan Pundarik.
  - उषा मंदिर / Usha Mandir –
    - निर्माण –रानी चित्रलेखा (लक्ष्मणसेन की रानी) (956 ई.)
      Construction - Rani Chitralekha (Queen of LaxmanSen) (956 AD)
    - इल्तुतमिश के समय मस्जिद में बदला (1224 ई.)
      Converted into a mosque during Iltutmish's time (1224 AD)
    - जाट शासकों ने पुनः मंदिर बनाया
      Jat rulers built the temple again

❖ **कांकन बाड़ी किला – अलवर (सरिस्का में)**
Kankan Bari Fort - Alwar (in Sariska)

- निर्माता – मिर्जा जयसिंह / Built by - Mirza Jai Singh
- औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह को यहाँ गिरफ्तार करके रखा था।
  Aurangzeb kept his brother Dara Shikoh arrested here.

❖ **बाला किला (कुँवारा किला)– अलवर**
Bala Fort (Kunwara Qila) - Alwar

- निर्माण – निकुम्भ चौहानों द्वारा
  Built By - Nikumbh Chauhans
- बाबर इस किले में रूका था।
  Babar stayed in this fort.
- जहाँगीर(सलीम) इसमें 3 वर्ष रूका था।
  Jahangir (Salim) stayed here for 3 years.
- इसलिए इसे सलीम महल भी कहते हैं।
  That is why it is also called Salim Mahal.
- 1775– प्रतापसिंह नरूका ने अधिकार कर लिया था।
  1775- Pratap Singh Naruka took over.
- 15 बड़ी बुर्ज, 52 छोटी, 3359 कंगुरे
  15 big towers, 52 small, 3359 battlements
- प्रमुख बुर्ज – काबुल, खुर्द, नौगुजा
  Major towers – Kabul, Khurd, Nauguja
- द्वार – चाँदपोळ, सूरजपोळ, लक्ष्मणपोळ, जयपोळ, अँधेरीपोळ।
  Gates - Chandpol, Surajpol, Lakshmanpol, Jaipol, Andheripol.
- सूरज कुण्ड– भरतपुर महाराजा सूरजमल ने बनवाया।
  Suraj Kund- Built by Bharatpur Maharaja Suraj Mal.
- महाराजा सूरजमल ने यहाँ सूरजपोळ और दो महलों का भी निर्माण करवाया।
  Maharaja Surajmal also built Surajpol and two palaces here.
- सलीम सागर तालाब
  Salim Sagar pond
- सीताराम जी का मंदिर
  Sitaram ji's temple
- पास में रावण देहरा है।/ Ravan Dehra is nearby.

नोट :– जहांगीर के महल – पुष्कर(अजमेर)
Note:- Jahangir's Palace - Pushkar (Ajmer)

❖ **शेरगढ़ – बारां/ Shergarh - Baran**

- परवन नदी के किनारे/ On the banks of Parvan River
- पुराना नाम – कोषवर्द्धनगढ़/ Old name - Koshvardhangarh
- शेरगढ़ नाम शेरशाह पर पड़ा/ Shergarh was named after Sher Shah
- मुगल बादशाह फर्रूखशियर ने यह किला कोटा महाराव भीमसिंह प्रथम को दिया। महाराव ने इसका नाम 'बरसाना' रखा।
  Mughal emperor Farrukhsiyar gave this fort to Kota Maharao Bhim Singh I. Maharao named it 'Barsana'.
- झाला जालिम सिंह ने अमीर खाँ पिंडारी से पगड़ी बदलकर यह किला उसे दिया।
  Jhala Zalim Singh exchanged turban with Amir Khan Pindari and gave this fort to him.
- किले में प्रवेश के लिए बरखेड़ी का दरवाजा बना हुआ है।
  Barkhedi gate is made for entry in the fort.

- इमारत / Building –
  - झालाओं की हवेली / Jhalaon ki Haveli
  - लक्ष्मीनारायण जी का मंदिर / LaxmiNarayan Temple
  - अमीर खाँ और उसकी बेगमों की हवेलियाँ
    havelis of Amir Khan and his Begums
  - पाटनवालों की हवेलियाँ
    havelis of Patanwalas
  - जोहरा–बोहरा मंदिर
    Johra-Bohra temple
  - त्रिमूर्ति जैन मंदिर
    Trimurti Jain temple
  - कल्याणराय जी का मंदिर
    Kalyanrai ji's temple

नोटः– झाला हवेली– कोटा – यह अपने आखेट चित्रों के लिए प्रसिद्ध है।
Note:- Jhala Haveli - Kota - It is famous for its hunting paintings.

❖ **शेरगढ़ – धौलपुर / Shergarh - Dholpur**

- कुषाण कालीन / Kushan period
- मालदेव ने कुछ निर्माण करवाये / Maldev got some construction done
- शेरशाह ने नाम शेरगढ़ रखा / Shershah named it Shergarh
- इमारतें – सैय्यद हुसैन की दरगाह (शेरशाह का पीर)
  Buildings - Dargah of Syed Hussain (Pir of Shershah)
- हुँहुँकार तोप / Hunhukar Cannon

❖ **चौमूं का किला – जयपुर / Chaumu Fort - Jaipur**

- निर्माता – करणसिंह नाथावत / Built by - Karansingh Nathawat
- अन्य नाम – चोमूहागढ़, धाराधारगढ़, रघुनाथगढ़
  Other names - Chomuhagarh, Dharadhargarh, Raghunathgarh
- इसमें हवा मंदिर बना हुआ है।
  Hawa Mandir is built in it.

❖ **कोटा किला – गढ़ पैलेस / Kota Fort - Garh Palace**

- चम्बल नदी के किनारे / On the banks of the Chambal River
- जैत्रसिंह हाड़ा ने गुलाब महल बनाया था।
  Jaitrasingh Hada had built Gulab Mahal.
- कालान्तर में इसी के पास कोटा का किला बनाया गया था।
  Later, Kota Fort was built near it.
- अधिकांश निर्माण – राव माधोसिंह हाड़ा ने करवाया था।
  Most of the construction - Rao Madhosingh Hada had done it.
- कर्नल टॉड – इस किले का परकोटा आगरा के बाद सबसे बड़ा है।
  Colonel Tod - The rampart (Parkota) of this fort is the largest after Agra.

❖ **भैंसरोड़गढ़ – (चित्तौड़गढ़) / Bhainsrodgarh - (Chittorgarh)**

- निर्माता – भैंसाशाह, रोड़ा चारण (टॉड के अनुसार)
  Built by - Bhainsashah, Roda Charan (according to Todd)
- उपनाम – राजस्थान का वैल्लोर
  Nickname - Vellore of Rajasthan
- चंबल और बामनी नदी के संगम पर
  At the confluence of Chambal and Baamni river
- यह भी जल दुर्ग की श्रेणी में आता है।
  This also comes in the category of water fort.
- कर्नल टॉड ने इस किले के बारे में कहा कि अगर उन्हें राजस्थान में से किसी जागीर को चुनने का विकल्प दिया जाएगा तो वे भैंसरोड़गढ़ को चुनेंगे।
  Colonel Todd said about this fort that if he was given the option to choose any estate (Jagir) in Rajasthan, he would choose Bhainsrorgarh.

❖ **माण्डलगढ़ – भीलवाड़ा / Mandalgarh - Bhilwara**

- वृताकार आकृति में बना है
  Built in circular shape
- हल्दी घाटी युद्ध से पहले मान सिंह ने यहाँ दो माह रूक कर सैनिक तैयारियाँ की थी
  Before the battle of Haldighati, Man Singh stayed here for two months and made military preparations
- इमारतें / Buildings –
  - ऊंडेश्वर महादेव मंदिर / Undeshwar Mahadev temple
  - शीतला माता मंदिर / Sheetla Mata temple
  - सागर –सागरी तालाब / Sagar-Sagri pond

नोट :– राणा सांगा की छतरी भी माण्डलगढ़ में बनी हुई है।
Note:- Rana Sanga's chhatri is also built in Mandalgarh.

❖ **कुचामण किला – डीडवाना कुचामन / Kuchaman Fort - Didwana Kuchaman**

- निर्माता – जालिम सिंह मेड़तिया / Built by - Jalim Singh Medatia
- जागीरी किलों का सिरमौर / Sirmour of Jagiri forts

❖ **नागौर किला –(नागदुर्ग) धान्वन / Nagaur Fort - (Nagdurg) Dhanvan**

- निर्माता – कैमास (चौहान शासक सोमेश्वर का सामंत) – 1154 ई.
  Built by - Kaimas (feudal lord of Chauhan ruler Someshwar) - 1154 AD
- चारों तरफ दोहरा परकोटा बना हुआ है। (कुछ स्त्रोतों के अनुसार तिहरा परकोटा)
  There is a double rampart built all around. (According to some sources triple rampart)
- अकबर ने शुक्र तालाब बनाया(नागौर दरबार के दौरान 1570)
  Akbar built Shukra Talab (1570 during Nagaur Darbar)
- 28 विशाल बुर्ज, 6 दरवाजे, सिराई पोळ, बिचली पोळ, कचहरी पोळ, सूरज पोळ, धूणी पोळ, राज पोळ।
  28 huge towers, 6 doors, Sirai Pol, Bichli Pol, Kachari Pol, Suraj Pol, Dhuni Pol, Raj Pol.
- अमरसिंह राठौड़ की छतरी – 16 खम्भों की
  Amar Singh Rathore's chhatri - of 16 pillars

- जोधपुर महाराजा गजसिंह के अनुरोध पर मुगल बादशाह शाहजहाँ ने नागौर का किला अमरसिंह को दे दिया।
  On the request of Jodhpur Maharaja Gaj Singh, Mughal emperor Shah Jahan gave the Nagaur fort to Amar Singh.
- जोधपुर महाराजा अभयसिंह ने यह किला अपने भाई बखत सिंह को जागीर में दे दिया था।
  Jodhpur Maharaja Abhay Singh had given this fort as a jagir to his brother Bakht Singh.
- मुगल बादशाह अकबर ने इस किले में एक फव्वारा व अकबरी मस्जिद का निर्माण करवाया।
  Mughal emperor Akbar built a fountain and Akbari Mosque in this fort.
- महाराणा कुम्भा ने इसे तुड़वा दिया था।
  Maharana Kumbha had it demolished.
- विजयसिंह (जोधपुर) ने मराठों के खिलाफ इसमे शरण ली थी।
  Vijay Singh (Jodhpur) took refuge in it against the Marathas.

नोटः– नागौर का प्राचीन नाम – अहिछत्रपुर
Note:- Nagaur's ancient name - Ahichhatrapur

- अतारकीन दरवाजा (इल्तुतमिश) / Atarkin Darwaza (Iltutmish)
- बंशीवाला का मंदिर, हमदुद्दीन नागौरी(सुल्तान–ए–तारकीन) की दरगाह है।
  Banshiwala's temple, Hamduddin Nagauri's (Sultan-e-Tarkin) Dargah.

❖ **सज्जनगढ़ किला – उदयपुर**
Sajjangarh Fort - Udaipur

- निर्माता – महाराणा सज्जन सिंह / Built by - Maharana Sajjan Singh
- बासंदरा पहाड़ियों पर / On the Basandra Hills
- उपनाम – मानसून पैलेस, मेवाड़ का मुकुटमणी
  Nickname - Monsoon Palace, Mukutmani of Mewar

❖ **दौसा किला – दौसा**
Dausa Fort - Dausa

- देवगिरी की पहाड़ी पर छाजले की आकृति में बना हुआ है।
  It is built in the shape of Chhajala on Devgiri Hill.
- कछवाहा शासकों की पहली राजधानी
  First capital of Kachwaha rulers
- इमारतें – चौदह शासकों की साळ, राजाजी का कुआँ, सूजा कछवाहा का स्मारक
  Buildings - Fourteen rulers' saal, Rajaji's well, Memorial of Sooja Kachwaha

❖ **फतेहपुर किला –सीकर / Fatehpur Fort - Sikar**

- निर्माता – फतेह खाँ कायमखानी (1453)
  Built by - Fateh Khan Qayamkhani (1453)
- इमारतें – पीर निजामुद्दीन की दरगाह, तेलिन का महल
  Buildings - Peer Nizamuddin's Dargah, Telin's palace

नोटः– फतेहपुर में सरस्वती पुस्तकालय है। उदयपुर में सरस्वती भण्डार है।
Note: - There is Saraswati library in Fatehpur. There is Saraswati Bhandaar in Udaipur.

❖ **माधोराजपुरा का किला – जयपुर**

Madhorajpura Fort - Jaipur

- निर्माण – माधोसिंह प्रथम (मराठों पर जीत के बाद)
  built by - Madho Singh I (after victory over Marathas)
- जगतसिंह II की महाराणी का अधिकार रहा था। (मानसिंह(जोधपुर) की पुत्री)
  It was under the control of Maharani of Jagat Singh II. (Daughter of Man Singh (Jodhpur))
- भरत सिंह नरूका टोंक नवाब अमीर खाँ पिंडारी की दो बेगमों को उठाकर यहाँ ले आया था।
  Bharat Singh Naruka kidnapped two Begums of Tonk Nawab Amir Khan Pindari and brought them here.
- महाराजा जयसिंह तृतीय की धाय रूपा बढ़ारण को यहाँ कैद रखा गया।
  Maharaja Jai Singh III's Dhay Rupa Badharan was imprisoned here.

नोटः– भरतसिंह (लादाणा) के साथ में शंभू धाभाई था, लदाणा व लावा के राजपूतों ने बेगमों को बहन–बेटी समझ कर रखा था।

Note:- Bharat Singh (Ladana) was accompanied by Shambhu Dhabhai. The Rajputs of Ladana and Lava treated the Begums as their sisters and daughters.

❖ **मोहनगढ़ का किला – जैसलमेर**
Mohangarh Fort - Jaisalmer

- भारत का अंतिम किला (1946 में)
  The last fort of India (in 1946)

❖ **गागरोण किला – झालावाड़ – जलदुर्ग(औदक दुर्ग)**
Gagron Fort - Jhalawar - Jaldurg (Audak Durg/Water Fort)

- निर्माता – डोड (परमार) शासक
  Built by - Dod (Parmar) ruler
- कालीसिंध व आहु के संगम पर (सामेल जी)
  On Confluence of Kalisindh and Aahu (Samelji)
- अन्य नाम – डोडगढ़, धूलरगढ़
  Other names - Dodgarh, Dhulargarh
- प्राचीन नाम – गर्गराटपुर
  Ancient name - Gargaratpur
- बीजलदेव डोड को हराकर देवेन सिंह खीची(चौहानों की एक शाखा) ने इस पर अधिकार कर लिया था।
  Deven Singh Khichi (a branch of Chauhans) captured it after defeating Bijaldev Dod.
- बिना नींव का किला है।
  It is a fort without foundation.
- 14 युद्ध हुए / 14 wars took place.
- दो साके हुए / There were two Sakas -

पहला / First (1423)	शासक / Ruler	अक्रान्ता / Invader
	अचलदास खीची, गागरोण Achaldas Khichi, Gagron	हौसंग शाह (माण्डू), मालवा Hausang Shah (Mandu), Malwa

– इस युद्ध का वर्णन – अचलदास खीची री वचनिका
Description of this war - Achaldas Khichi Ri Vachanika

- लेखक – शिवदास गाडण
  Author - Shivdas Gadan

दूसरा / Second (1444) –	पालन सिंह, गागरोण Palan Singh, Gagron	महमूद खिलजी I, मालवा Mahmud Khilji-I, Malwa
	– अचलदास का पुत्र – कुम्भा का भांजा – Achaldas's son – Kumbha's nephew	गागरोण का नाम बदल कर मुस्तफाबाद कर दिया था। changed the name of Gagron to Mustafabad.

- राणा सांगा ने अपने मित्र मेदिनी राय को यह किला भेंट किया था।
  Rana Sanga gifted this fort to his friend Medini Rai.
- गागरोण का युद्ध – 1519 ई.
  Battle of Gagron - 1519 A.D.
  - सांगा v/s महमूद खिलजी-II (मालवा)
    Sanga v/s Mahmud Khilji -II (Malwa)
- अकबर ने यह किला – पृथ्वीराज राठौड़(बीकानेर) को दिया था।
  Akbar gave this fort to - Prithviraj Rathore (Bikaner).
  - रचना 'वेलि श्री कृष्ण रूक्मणी री' इसी किले में लिखी थी।
    The composition 'Veli shri krishna Rukmani Ri' was written in this fort.
- प्रमुख प्रवेश द्वारा – सूरज पोळ, भैरव पोळ, गणेश पोळ, किशन पोळ
  By main entrance - Suraj Pol, Bhairav Pol, Ganesh Pol, Kishan Pol
- इमारतें / Buildings –
  - कोटा राज्य की टकसाल / Mint of Kota State
  - बुलन्द दरवाजा (औरंगजेब द्वारा) / Buland Darwaza (by Aurangzeb)
  - मधुसुदन मंदिर (दुर्जनसाल) कोटा / Madhusudan Temple (Durjansaal) Kota
  - जालिम कोट (तिहरा परकोटा) / Jaalim Kot (Tihra Parakota)
  - संत हमीदुद्दीन चिश्ती की दरगाह (मीठे साहब की दरगाह)
    Dargah of Saint Hamiduddin Chishti (Dargah of Meetha Sahab)
  - गीध कराई – यहाँ पर राजनैतिक कैदियों को मृत्युदण्ड दिया जाता था।
    Gidh Karai - Political prisoners were given death sentence here.

❖ **अचलगढ़ – सिरोही / Achalgarh - Sirohi**

- निर्माता – परमार शासक / Built by - Parmar Ruler
- महाराणा कुम्भा ने पुनर्निर्माण करवाया (1452)

Maharana Kumbha got it rebuilt (1452)

- इस किले पर कुतुबशाह (गुजरात), महमूद बेगड़ा (गुजरात) का कुछ समय तक अधिकार रहा था।
  This fort was under the control of Qutub Shah (Gujarat) and Mahmud Begada (Gujarat) for some time.
- प्रवेश द्वार – हनुमान पोळ, गणेश पोळ, चम्पा पोळ, भैरव पोळ।
  Entry Gates - Hanuman Pol, Ganesh Pol, Champa Pol, Bhairav Pol.
- इमारतें / Buildings –
  - अचलेश्वर महादेव मंदिर – शिव के अंगूठे की पूजा, नंदी की पंचधातु की मूर्ति
    Achaleshwar Mahadev Temple - Worship of Shiva's thumb, Panchdhatu idol of Nandi
  - दुरशा आढ़ा की मूर्ति / Idol of Dursha Aadha
  - सावण–भादो झील (कुम्भा–ऊदा की मूर्तियाँ पास में)
    Sawan-Bhado Lake (Idols of Kumbha-Uda nearby)
  - भँवराथल – इस स्थान से मधुमक्खियों ने गुजरात के शासक महमूद बेगड़ा की सेना पर आक्रमण कर दिया था।
    Bhanvarathal - From this place, bees attacked the army of the ruler of Gujarat, Mahmud Begada.
  - मंदाकिनी कुण्ड / Mandakini Kund
  - ओखाराणी का महल / Okharani Palace
  - अलार्म टावर (खतरे की सूचना देते थे) / Alarm Tower (used to inform about danger)
  - कुम्भास्वामी मंदिर / Kumbhaswami Temple
  - कफूर सागर जलाशय
    Kafur Sagar Reservoir
  - ऋषभदेव, पार्श्वनाथ जैन मंदिर
    Rishabhdev, Parshvanath Jain Temple

❖ **तारागढ़ – बूंदी / Taragarh - Bundi**

- निर्माता – बूंदी शासक बरसिंह हाड़ा / वीरसिंह हाड़ा (1354)
  Built by - Bundi ruler Barsingh Hada/Veersingh Hada (1354)
- झील में चमकते तारे के समान दिखता है।
  Looks like a shining star in the lake.
- रूडयार्ड किपलिंग – यह किला भूत प्रेतों ने बनाया है।
  Rudyard Kipling - This fort has been built by ghosts.
- जेम्स टॉड ने बूंदी किले के महलों को राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ महल बताये।
  James Tod described the palaces of Bundi fort as the best palaces of Rajasthan.
- बूंदी किले के महल भित्ति चित्रकारी के लिए जाने जाते हैं।
  The palaces of Bundi fort are known for wall paintings.
- द्वार – हाथीपोळ, गणेशपोळ, हजारीपोळ
  Gates - Hathipol, Ganeshpol, Hazaripol
- इमारतें / Buildings –
  - सुख महल / Sukh Mahal
  - छत्र महल / Chhatar Mahal

- रंग महल / Rang Mahal
- राणी जी की बावड़ी – 1699 (लाडकँवर नाथावत– महाराव अनिरूद्ध की राणी)
  Rani Ji's Bawdi/Stepwell - 1699 (Ladkanwar Nathtawat- Maharao Aniruddh's Queen)
- अनिरूद्ध महल / Aniruddh Mahal
- चित्रशाला – उम्मेदसिंह – भित्तिचित्रों का स्वर्ग
  Chitrashaala - Ummed Singh - Heaven of wall paintings
- गर्भगुंजन तोप / Garbhgunjan Cannon
- 84 खम्भों की छतरी / Chhatari of 84 pillars

- किले की बाहरी दीवार का निर्माण फौजदार दलील ने करवाया था।
  The outer wall of the fort was built by Faujdar Dalil.

❖ सोनार किला – जैसलमेर किला
Sonar Fort - Jaisalmer Fort

- निर्माता – रावल जैसल (1155ई.)
  Built by - Rawal Jaisal (1155 AD)
- अधिकांश निर्माण जैसल के पुत्र शालीवाहन ने करवाया।
  Most of the construction was done by Jaisal's son Shalivahan.
- अन्य नाम – स्वर्णगिरि / Other names - Swarngiri
- आकृति – त्रिभुजाकार / Shape - Triangular
- त्रिकुट पहाड़ी पर (तीन कूँट)
  On Trikut hill (Teen Koont)
- अंगड़ाई लेते हुए शेर के समान / रेत के समुद्र में लंगर खोले जहाज के समान
  Like a lion stretching his body/Like a ship dropping its anchor in the sea of sand
- 99 बुर्ज बनी है (राजस्थान में सर्वाधिक)
  99 towers have been built (the most in Rajasthan)
- राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा आवासीय किला
  Second largest residential fort of Rajasthan
- अबुल फजल – पत्थर की टाँगे जैसलमेर ले जा सकती है।
  Abul Fazal - Stone legs can take you to Jaisalmer.
- निर्माण में चूने या गारे का प्रयोग नहीं(पत्थर से पत्थर जोड़कर)
  No lime or mortar is used in construction (by joining stones)
- छत लकड़ी की है। / Roof is made of wood.
- 2009 – डाक टिकट जारी / 2009 - Postage stamp issued
- सत्यजीत रे ने सोनार किला नाम से डॉक्युमेन्ट्री फिल्म बनाई।
  Satyajit Ray made a documentary film named Sonar Quila.
- दोहरा परकोटा है – घाघरे नुमा (कमरकोट / पाड़ा)
  Double rampart - Ghaghra type (Kamarkot/Pada)
- अढाई साके हुए / Two and a half Sake – $2\frac{1}{2}$
- इमारतें / Buildings–
  - बादल महल – (दक्षिणी हिस्से में 5 मंजिला) सिलावटों ने महारावल बेरिसाल को भेंट किया।

Badal Mahal - (5 storey in the southern part) presented by Silavats to Maharawal Berisal.

- जवाहर विलास – जैसलमेर की प्रथम होटल – इसाल बंगला कहलाता है।
  Jawahar Vilas - First hotel of Jaisalmer - called Isal Bungalow.
- सर्वोतम विलास (शीशमहल) – महारावल अखैसिंह द्वारा निर्मित
  Sarvottam Vilas (Sheesh Mahal) - Built by Maharawal Akhai Singh
- जिनभद्र सूरी जैन भण्डार – प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ व राजस्थान के प्राचीन चित्र इसी भण्डार में है।
  Jinbhadra Suri Jain Bhandar - Ancient handwritten texts and ancient paintings of Rajasthan are in this Bhandhar.
- जैसलू कुँआ / Jaislu Well –
- द्वार – अक्षय पोल, सूरजपोल, गणेशपोल, हवापोल
  Gates - Akshay Pol, Surajpol, Ganeshpol, Hawapol

❖ **कुम्भलगढ़ – राजसमन्द**
Kumbhalgarh - Rajsamand

- मौर्य शासक सम्प्रति द्वारा निर्मित प्राचीन दुर्ग के अवशेषों पर निर्मित
  Built on the remains of the ancient fort built by Maurya ruler Samprati
- निर्माण – कुम्भा (निर्माण काल – 1448–1458)
  Built by - Kumbha (construction period 1448-1458)
- शिल्पी – मण्डन
  Architect - Mandan
- उपनाम – मेवाड़ का संकटमोचन किला (मेवाड़ की संकट कालीन राजधानी)
  Nickname - Sankatmochan Fort of Mewar (capital of Mewar during times of crisis)
  – कुम्भलमेरू, मेवाड़–मारवाड़ सीमा का प्रहरी
  Kumbhlameru, Guard of the Mewar - Marwar border
- एक मान्यता है कि कुम्भा ने अपनी रानी कुम्भल देवी के लिए इस किले का निर्माण करवाया।
  There is a belief that Kumbha built this fort for his queen Kumbhal Devi.
- परन्तु वास्तविक रूप में गुजरात की तरफ से होने वाले आक्रमणों से गोड़वाड़ क्षेत्र की रक्षा के लिए इस किले का निर्माण करवाया गया।
  But in reality this fort was built to protect the Godwad region from attacks from Gujarat.
- अबुल फजल – नीचे से ऊपर तक देखने पर पगड़ी गिर जाती है। (समुद्रतल से 3568 फीट)
  Abul Fazal - The turban falls off when viewed from bottom to top. (3568 feet above sea level)
- कर्नल टॉड ने यूरोप के एट्रूस्कन किले से तुलना की
  Colonel Tod compared it with the Etruscan fort of Europe
- चारदीवारी (परकोटा) – 36 किमी (दूसरी सबसे लम्बी दीवार) भारत की महान दीवार
  Boundary wall (Parkota) - 36 km (second longest wall) The Great Wall of India
  चौड़ाई – 4 घोड़े समानान्तर दौड़ सकते हैं।
  Width - 4 horses can run parallel.
- द्वार – 9(ओरठ, हल्ला, हनुमान, विजय, भैरव, नींबू, चौगान, पागड़ा, गणेश)
  Gates - 9(Orath, Halla, Hanuman, Vijay, Bhairav, Nimboo, Chaugan, Pagda, Ganesh)
- हनुमान पोळ पर लगी हनुमान जी की मूर्ति मंडौर से लायी गई थी।
  The idol of Hanumanji installed at Hanuman Pol was brought from Mandore.
- प्रताप – जन्म स्थान, हल्दीघाटी के बाद इसे मुगल विरोधी केन्द्र बनाया।

Pratap - Birth place, after Haldighati it was made an anti-Mughal centre.

- प्रथम आक्रमण –महमूद खिलजी -I (मालवा) कुम्भा के समय
  First attack - Mahmud Khilji -I (Malwa) during Kumbha's time
- प्रथम बार जीत गया – शाहबाज खाँ(मुगल सेनापति) – 1578
  Won for the first time - Shahbaz Khan (Mughal Commander) - 1578
- इन पहाड़ियों पर बना है – नील, श्वेत, हेमकुट, निषाद, गन्धमादन, हिमवत
  Built on these hills - Neel, Shwet, Hemkut, Nishad, Gandhamadan, Himwat
- इस किले के ऊँचे भाग पर राजमहल, निचले भाग में जलाशय तथा समतल भाग पर खेत हैं।
  There is a royal palace on the higher part of this fort, a reservoir in the lower part and fields on the flat part.
- इमारतें / विशेष / Buildings/Special –
  - कटारगढ़ – कुम्भा का निजी आवास (सबसे ऊपर) मेवाड़ की आँख
    Katargarh - Kumbha's private residence (topmost) Eye of Mewar
  - झाली राणी का मालिया महल (उदयसिंह की राणी)
    Jhali Rani's Malia Palace (Udai Singh's Queen)
  - मामदेव तालाब (कुम्भा की हत्या पुत्र ऊदा ने की)
    Maamdev pond (assassination of Kumbha by his son Uda)
  - कँवरपदे के महल
    Kanwarpada's palace
  - वेदी / Altar/Vedi
  - पृथ्वीराज सिसोदिया (उडणा राजकुमार) की छतरी – 12 खम्भे
    Prithviraj Sisodia's (Udna Prince) chhatri - 12 pillars
  - रास्ते – Paths -

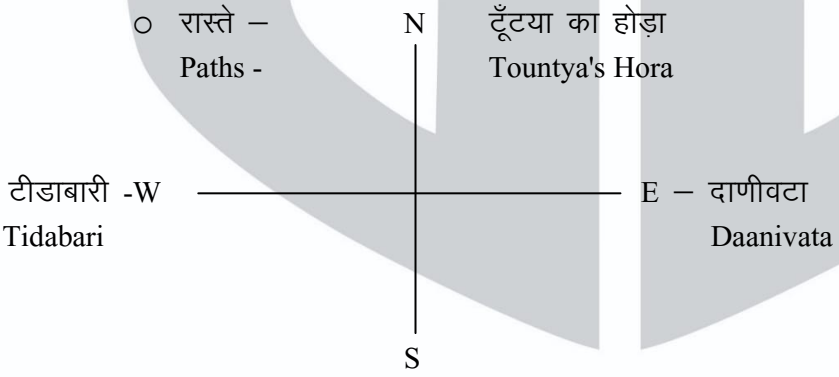

❖ **मेहरानगढ़ – जोधपुर**
Mehrangarh - Jodhpur

- निर्माता – राव जोधा(13 मई 1459)
  Built by - Rao Jodha (13 May 1459)
- नींव करणी माता ने रखी (करणी माता ने अपने पुत्र पूनोजी को भेजा था)
  Foundation was laid by Karni Mata(Karni Mata sent her son Poonoji)
- चिड़िया टूंक पहाडी पर (चिड़ियानाथ की तपोस्थली)
  On Chidiya Tonk hill (Taposthali of Chidiyanath)

- अन्य नाम – (1) गढ़ चिंतामणी/गढ़ शिरोमणी (2) मयूरध्वज गढ़(मयूर आकृति के कारण)
  Other names - (1) Garh Chintamani/Garh Shiromani (2) Mayurdhwaj Garh(because of the peacock motif)
- विशालता के कारण मेहरानगढ़ कहलाया।
  Due to its vastness, it was called Mehrangarh.
- राजाराम मेघवाल की बली दी गई।
  Rajaram Meghwal was sacrificed.
- प्रवेश द्वार – (1) जयपोल(मानसिंह) (2) फतेहपोल (अजीतसिंह) – मुगल खालसा समाप्ति पर।
  Entrance gate - (1) Jaipol (Mansingh) (2) Fatehpol (Ajitsingh) - on the end of Mughal Khalsa.
  अन्य – लोहापोल, ध्रुवपोल, इमरतपोल, भैंरोपोल
  Others - Lohapol, Dhruvpol, Imratpol, Bhairopol

- ब्रिटिश साहित्यकार रूडयार्ड किपलिंग ने इस किले में एक लंबा समय इस किले में बिताया।
  British writer Rudyard Kipling spent a long time in this fort.
- रूडयार्ड किपलिंग – यह किला देवताओं एवं परियों ने बनाया है।
  Rudyard Kipling - This fort has been built by gods and fairies.
- 1544 ई. में शेरशाह सूरी ने इस किले पर अधिकार कर लिया था।
  In 1544 AD, Sher Shah Suri captured this fort.
- 1546 ई. में मालदेव ने पुनः इस किले पर अधिकार कर लिया था।
  In 1546 AD, Maldev again captured this fort.
- 1564–65 में चन्द्रसेन को हराकर मुगल सूबेदार हसन कुली खाँ ने इस किले पर मुगल आधिपत्य स्थापित कर दिया।
  In 1564-65, Mughal Subedar Hasan Quli Khan defeated Chandrasen and established Mughal supremacy over this fort.
- 1583 ई. में अकबर ने मोटाराजा उदयसिंह को यह किला दे दिया।
  In 1583 AD, Akbar gave this fort to Mota Raja Udai Singh.
- 1678 ई. में महाराजा जसवंतसिंह की मृत्यु के बाद औरंगजेब ने इस किले को मुगल खालसे में शामिल कर लिया।
  After the death of Maharaja Jaswant Singh in 1678 AD, Aurangzeb included this fort in Mughal Khalsa.
- 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के बाद अजीतसिंह ने मुगल सूबेदार जफर कुली खाँ से इस किले को पुनः छीना।
  After the death of Aurangzeb in 1707 AD, Ajit Singh again snatched this fort from Mughal Subedar Zafar Quli Khan.
- इमारतें/ Buildings –
  - भूरे खाँ की मजार/ Bhure Khan's Mazar
  - किरत सिंह सोढा की छतरी/सेनापति की छतरी
    Kirat Singh Sodha's Chhatri/Senapati's Chhatri
  - धन्ना–भींवा की छतरी(मामा–भान्जा की छतरी)
    Dhanna-Bhinwa's Chhatri(Mama-Bhaanja's Chhatri)
  - मोती महल – सूरसिंह – (छत/दीवारों पर सोने की पॉलिश का काम तख्तसिंह ने करवाया)

Moti Mahal - Sursingh - (Gold polishing work on roof/walls was done by Takht Singh)

- फूल महल (अभयसिंह)
  Phool Mahal (Abhay Singh)
- फतह महल (अजीतसिंह) खालसा की समाप्ति पर
  Fateh Mahal (Ajit Singh) the end of Khalsa
- तलहटी महल / Talhati Mahal
- सिंगार महल / Singar Mahal
- चोखेलाव महल / Chokhelav Mahal
- बिचला महला / Bichala Mahal
- शृंगार चौकी (जोधपुर के शासकों का राजतिलक होता था।)
  Shringar Chowki (Coronation of Jodhpur's rulers was done here.)
- मान पुस्तक प्रकाश पुस्तकालय (मानसिंह)
  Maan Pustak Prakash Library (Man Singh)
- आनन्द घन मंदिर / Anand Ghan Temple
- चामुण्डा माता मंदिर / Chamunda Mata Temple
  - निर्माण – राव जोधा
    built by - Rao Jodha
  - पुनर्निर्माण – महाराजा तख्त सिंह (1857)
    Rebuilt by - Maharaja Takht Singh (1857)
  - 30 सितम्बर 2008 शरदीय नवरात्रा के पहले दिन भगदड़ मची।
    30 September 2008 Stampede occurred on the first day of Sharadiya Navratra.
- नागणेची माता मंदिर / Nagnechhi Mata Temple
- मुरलीमनोहर मंदिर / MurliManohar Temple
- जोधाजी का फळसा / Jodha ji ka Falsa
- राणीसर तालाब / Ranisar Pond
- पदमसागर तालाब / Padamsagar Pond

- तोपें – Cannons -
  1. किलकिला – अजीतसिंह ने अहमदाबाद में बनवायी थी
     Kilkila - Ajit Singh built it in Ahmedabad
  2. भवानी / Bhavani
  3. गजनी खाँ – इसे महाराजा गजसिंह ने जालौर विजय से जीती
     Ghazni Khan - Maharaja Gaj Singh won it by conquering Jalore
  4. शंभुबाण – इसे महाराजा अभयसिंह ने सरबुलंद खाँ (अहमदाबाद का सूबेदार) से छीनी
     Shambhubaan - Maharaja Abhay Singh snatched it from Sarbuland Khan (Subedar of Ahmedabad)
  5. नुसरत / Nusrat
  6. नागपाली / Nagpali
  7. गज़क / Gajak
  8. गुब्बारा / Gubbara

''सभी गढ़ा शिरोमणि, अति ही ऊँचो जाण।
अनड़ पहाड़ाँ ऊपरै, जबरो गढ़ जोधाण।।
"Sabhi Gadha shiromani, Ati hi ooncho Jaan
Anad pahadan oopare, Jabro garh jodhan.

नोटः– जोधपुर शहर के चारों तरफ एक प्राचीन शहरपनाह/चारदीवारी बनी है जिसमें 101 विशाल बुर्ज तथा 6 दरवाजे हैं।
Note:- An ancient city wall has been built around Jodhpur city which has 101 huge towers and 6 gates.

(1) नागौरी दरवाजा/ Nagauri Gate
(2) मेड़तिया दरवाजा/ Medatia Gate
(3) सोजती दरवाजा/Sojati Gate
(4) सिवाणा दरवाजा/ Siwana Gate
(5) जालौरी दरवाजा/ Jalori Gate
(6) चांद पोळ/Chand Pol

❖ **खण्डार किला** – सवाई माधोपुर – रणथम्भौर का सहायक दुर्ग व उसका पृष्ठरक्षक दुर्ग
Khandar Fort - Sawai Madhopur - Ranthambore's supporting fort and its rear guard fort

- यहाँ अष्टधातु निर्मित शारदा तोप अपनी मारक क्षमता हेतु प्रसिद्ध है।
  The Sharda cannon made of ashtadhatu (8 metals) is famous for its lethal power.
- मेवाड़ महाराणा सांगा ने रणथम्भौर दुर्ग के साथ इसे भी अपनी हाड़ीरानी कर्मावती व उसके पुत्रों विक्रमादित्य एवं उदयसिंह को जागीर में दिया था।
  Maharana Sanga of Mewar had given this fort along with Ranthambore fort as a jagir to his queen Karmavati and her sons Vikramaditya and Uday Singh.
- इस दुर्ग ने मराठों का सफल मुकाबला किया था।
  This fort had successfully fought the Marathas.

❖ **सोजत किला** – सोजत, पाली/Sojat Fort - Sojat, Pali

- नानी सिरड़ी नामक पहाड़ी पर/ On a hill called Nani Sirdi
- निर्माता – राव निम्बा (जोधा का पुत्र)/ Built by - Rao Nimba (Jodha's son)
- पुनर्निर्माण – मालदेव/ Re-built by - Maldev
- मालदेव का राजतिलक भी इसी किले में हुआ था।
  The coronation of Maldev also took place in this fort.
- इसमें मालदेव के पुत्र राम ने रामेलाव तालाब बनवाया था।
  In this, Maldev's son Ram had built the Ramelav pond.

❖ **शाहबाद दुर्ग–** बारां – प्रवेश द्वार पर अललपंख प्रतिमाएँ हैं। (पंखयुक्त हाथी)
Shahabad Fort - Baran - There are Alalpankh statues at the entrance. (Winged elephant)

- भामता पहाड़ी पर
  On Bhamta hill
- इसके पास 'कुण्डा खोह' नामक झरना है।
  Near it there is a waterfall called 'Kunda Khoh'.
- इसमें 'नवलबाण' नाम की तोप रखी गई है।
  A cannon called 'Navalbaan' is kept in it.

❖ **नीमराणा किला** – कोटपुतली बहरोड़ – उपनाम – पंचमहल
Neemrana Fort - Kotputali Bahror - Nickname - Panchmahal

- ❖ **टॉडगढ़ किला** – ब्यावर / Todgarh Fort - Beawar -
  - निर्माता – कर्नल जेम्स टॉड / Built by - Colonel James Tod
  - इसमें विजयसिंह पथिक को नजरबंद किया गया था।
    Vijay Singh Pathik was interned in it.
- ❖ **कोटड़ा किला** –बाड़मेर – शिव
  Kotra Fort - Barmer - Shiv
- ❖ **करणसर दुर्ग** – करणसर, जयपुर– लघु भूमि दुर्ग
  Karansar Fort - Karansar, Jaipur - Laghu Bhumi Fort
- ❖ **भूमगढ़ / अमीरगढ़ किला** – टोंक
  Bhumgarh/Amirgarh Fort - Tonk
  - नींव – ब्राह्मण भोला ने रखी / Foundation - laid by Brahmin Bhola
  - पूरा करवाया अमीर खाँ पिंडारी ने / Completed by Amir Khan Pindari
- ❖ **लक्ष्मणगढ़** – सीकर / Laxmangarh - Sikar
- ❖ **पोकरण किला** – पोकरण, जैसलमेर / Pokaran Fort - Pokaran, Jaisalmer
  - निर्माता – राव मालदेव / Built by - Rao Maldev
  - लाल पत्थरों से निर्मित / Made of red stones
- ❖ **बसन्ती दुर्ग** – बसन्तगढ़, सिरोही / Basanti Fort - Basantgarh, Sirohi
  - निर्माता – कुम्भा / Built by - Kumbha
  - गुजरात की ओर से होने वाले आक्रमणों से क्षेत्र की रक्षा हेतु
    To protect the region from attacks from Gujarat
  - सूर्य मंदिर, देतात्रेय का मंदिर, खींवळ माता का मंदिर
    Sun temple, Deityatreya temple, Khinval Mata temple,
- ❖ **मेड़ता किला** – मेड़ता, नागौर / Merta Fort - Merta, Nagaur
  - मालदेव – मालकोट, मेडन्तकनगर
    Maldev - Malkot, Medantaknagar
- ❖ **अजबगढ़** – अलवर / **Ajabgarh** - Alwar
- ❖ **खिंवसर दुर्ग** – नागौर –राव करमस जी
  Khinvsar Fort - Nagaur - Rao Karamasji
- ❖ **मनोहरथाणा दुर्ग** – झालावाड़ – भीमसिंह, परवन और कालीखाड़ के संगम पर(जलदुर्ग)
  Manoharthana Fort - Jhalawar - Bhimsingh, at the confluence of Parwan and Kalikhad(Jaldurg)
- ❖ **किलोणगढ़** – बाड़मेर –भीमोजी
  Kilongarh - Barmer - Bhimoji
- ❖ **नवलखाँ दुर्ग** – झालरापाटन (झालावाड़) – झाला पृथ्वीसिंह
  Navalkhan Fort - Jhalrapatan (Jhalawar)- Jhala Prithvi Singh
- ❖ **भोपालगढ़** – खेतड़ी (झुन्झुनूँ) – ठाकुर भोपाल सिंह
  Bhopalgarh - Khetri (Jhunjhunu) - Thakur Bhopal Singh
- ❖ **काकोड़ दुर्ग** – टोंक
  Kakod Fort - Tonk
- ❖ **हापा कोट (चौहटन)** – बाड़मेर

Hapa Kot (Chouhtan) - Barmer

❖ **वल्लभगढ़** – (ऊँटाला का किला – उदयपुर)
Vallabhgarh - (Untala Fort - Udaipur)

- इस किले में सबसे पहले पहुँचने को लेकर शक्तावतों और चूण्डावतों में एक होड़ लगी।
  There was a competition between the Shaktawats and the Chundawats to reach the fort first.
- यह होड़ मेवाड़ की सेना के अग्रिम भाग (हरावल) में रहने के लिए हुई।
  This competition was for staying in the front part (Haraval) of the Mewar army.
- ऊँटाला का युद्ध / Battle of Untala–
  - इस समय ऊँटाला किले में मुगल सिपहसालार कायम खाँ तैनात था।
    At this time Mughal commander Qaim Khan was stationed in Untala fort.
  - इस युद्ध का नेतृत्व स्वयं महाराणा अमरसिंह ने किया।
    This battle was led by Maharana Amar Singh himself.
  - महाराणा अमरसिंह की इस युद्ध में जीत हुई और इस किले पर मेवाड़ का अधिकार हुआ।
    Maharana Amar Singh won this battle and Mewar gained control over this fort.
  - शक्तावतों का नेतृत्व शक्ति सिंह के पुत्र बल्लूसिंह शक्तावत कर रहे थे।
    The Shaktawats were led by Shakti Singh's son Ballu Singh Shaktawat.
  - चूण्डावतों का नेतृत्व कृष्णदास चूण्डावत के पुत्र राव जैतसिंह चूण्डावत कर रहे थे।
    The Chundawats were led by Krishnadas Chundawat's son Rao Jait Singh Chundawat.
  - बल्लूसिंह शक्तावत ने अपने ऊपर हाथी से हूल दिलवाकर किले का द्वार तोड़कर शक्तावतों को किले में प्रवेश करवाया।
    Ballu Singh Shaktawat got an elephant to attack him and broke the gate of the fort to let the Shaktawats enter the fort.
  - जैतसिहं चूण्डावत ने चूण्डावतों को किले में सबसे पहले पहुँचाने हेतु अपना सिर काटकर किले में फैंका।
    Jait Singh Chundawat cut off his head and threw it in the fort to make the Chundawats enter the fort first.
  - जब शक्तावत गेट से दुर्ग में दाखिल हुए तो चूण्डावत सरदार का कटा सिर अन्दर मौजूद था।
    when Shaktawat entered the fort through the gate, the severed head of Chundawat Sardar was present inside.
  - इस प्रकार चूण्डावतों ने हरावल में रहने का अपना अधिकार सुरक्षित रखा।
    in this way the Chundawats reserved their right to remain in the Harawal.

❖ **सोढ़लगढ़** – सूरतगढ़, गंगानगर / Sodhalgarh - Suratgarh, Ganganagar

- बीकानेर महाराजा – सूरत सिंह / Bikaner Maharaja - Surat Singh
- इसमें बौद्ध स्थानों की ईंटें लगी हैं। / Bricks from Buddhist places are used in it.
- गांधार शैली से प्रभावित / Influenced by Gandhara style

❖ **भानगढ़** – अलवर – भूतिया किला / Bhangarh - Alwar - Haunted Fort

- निर्माता – भगवन्तदास (1573), वर्तमान में – पुरातत्व विभाग के पास
  Built by - Bhagwantdas (1573), Currently - Under Archaeological Department
- एक मान्यता के अनुसार मानसिंह के भाई माधवसिंह ने इस दुर्ग का निर्माण करवाया था।
  According to a belief, Mansingh's brother Madhavsingh built this fort.

- प्रवेश द्वार – लाहोरी गेट, अजमेरी गेट, फूलबाड़ी गेट, दिल्ली गेट।
  Entrance gates - Lahori Gate, Ajmeri Gate, Phulbari Gate, Delhi Gate.
- इसमें जौहरी बाजार स्थित है।
  Johri Bazar is situated in it.
- इसमें गोपीनाथ मंदिर, हनुमान मंदिर, सोमेश्वर मंदिर, मंगलादेवी मंदिर आदि बने हुए हैं।
  Gopinath Temple, Hanuman Temple, Someshwar Temple, Mangala Devi Temple etc. are built here.
- इस किले के साथ राजकुमारी रत्नावती से संबंधित एक कहानी जुड़ी है।
  A story related to Princess Ratnavati is associated with this fort.

❖ **तिमनगढ़/त्रिभुवनगढ़** – करौली
Timangarh/Tribhuvangarh - Karauli

- निर्माता – तिमनपाल/त्रिभुवनपाल
  Built by – Timanpal/Tribhuvanpal
- इसमें जगन पोळ, सूर्य पोळ, ननद–भोजाई का कुआँ आदि स्थित है।
  Jagan Pol, Surya Pol, Nanad-Bhojai's well etc are situated here.
- कुँवरपाल को हराकर मोहम्मद गौरी ने यह किला छीन लिया था।
  Mohammad Gauri had captured this fort after defeating Kunwarpal.
- अर्जुनपाल ने मुसलमानों से पुनः तिमनगढ़ को छीना।
  Arjunpal captured Timangarh again from the Muslims.

❖ **मण्डरायल दुर्ग** – करौली/Mandrayal Fort - Karauli

- करौली दुर्ग व ग्वालियर दुर्ग की कुँजी/Key to Karauli Fort and Gwalior Fort
- इसमें – मर्दानशाह पीर की दरगाह है।/It has the dargah of Mardanshah Peer.

❖ **केहरीगढ़** – किशनगढ़ (अजमेर)/Kehrigarh - Kishangarh (Ajmer)

- जीव रक्खा – आन्तरिक भाग/Jeev Rakhha - Inner part

❖ **मैग्जीन दुर्ग** – अजमेर/Magazine Fort - Ajmer

- इसे अकबर का/मुगलों का दौलत खाना भी कहते हैं।
  It is also called Akbar's/Mughals' Daulat Khana.
- निर्माण – 1570 ई. – अकबर
  built by - 1570 AD. - Akbar
- हल्दी घाटी युद्ध की अंतिम योजना यहीं बनाई गई थी।
  The final plan of the Battle of Haldighati was made here.
- टॉमस रॉ ने जहाँगीर से मुलाकात इसी दुर्ग में की थी।
  Thomas Roe met Jahangir in this fort.
- वर्तमान में इसमें राजपूताना म्यूजियम चलता है। (1908)
  Presently, Rajputana Museum runs in it. (1908)

❖ खाबा फोट – जैसलमेर/Khaba Fort - Jaisalmer
❖ नाहरगढ़ का दुर्ग – बाराँ/ Nahargarh Fort - Baran
❖ ऊँटगिरी का किला – करौली/Untgiri Fort - Karauli

- इमलीवाली पोळ / Imliwali Pol
- निर्माता – लोधी राजपूत / Built by - Lodhi Rajput

❖ अजबगढ़ – अलवर / Ajabgarh - Alwar
❖ डीग का किला – डीग / Deeg Fort - Deeg
- निर्माता – बदनसिंह / Built by - Badan Singh
- यहाँ प्रसिद्ध लक्खा बुर्ज है। / There is a famous Lakhha Burj here.

❖ कैर किला – भरतपुर / Kair Fort - Bharatpur
❖ इन्दौर का किला – अलवर / Indore Fort - Alwar
❖ तिजारा दुर्ग – खैरथल–तिजारा(भर्तृहरि नगर)
Tijara Fort - Khairthal-Tijara (Bhartrihari Nagar)
- भर्तृहरि गुंबद / Bhartrihari Gumbad
- गद्दनशाह पीर की मजार / Gaddanshah Peer's Mazar

❖ भादराजून किला – जालौर / Bhadrajun Fort - Jalore
❖ नाथों का दुर्ग ''कोटकास्तां'' – जालौर / Nathon's Fort "Kotkastan" - Jalore
❖ गुमट का दुर्ग – धौलपुर / Gumat Fort - Dholpur
❖ बागौर दुर्ग – खेतड़ी, झुन्झुनूँ (बादलगढ़) / Bagor Fort - Khetri, Jhunjhunu (Badalgarh)
❖ काकोड़ दुर्ग – टोंक / Kakod Fort - Tonk
❖ इन्द्रगढ़ का किला – बूँदी / Indragarh Fort - Bundi
❖ बनेड़ा दुर्ग – भीलवाड़ा / Baneda Fort - Bhilwara
❖ बदनौर का किला – ब्यावर / Badanour Fort - Beawar
❖ देवहंस का किला – धौलपुर / Devhans Fort - Dholpur
❖ **विविध / Miscellaneous –**
- पाशीब – किले की प्राचीर पर हमला करने के लिए रेत और अन्य वस्तुओं से निर्मित एक ऊँचा चबूतरा पाशीब कहा जाता है।
Pashib - A high platform made of sand and other materials to attack the rampart of the fort is called Pashib.
- साबात – साबात गाय या भैंस के मोटे चमड़े की छावन से ढँका हुआ एक चौड़ा रास्ता होता है जिसमें किले वालों की मार से सुरक्षित बचकर आक्रान्ता किले के बहुत नजदीक तक पहुँच जाते हैं। अबकर ने 1567 ई. में चित्तौड़ पर आक्रमण के समय ऐसे दो साबात बनवाये थे।
Sabat - Sabat is a wide path covered with a thick cow or buffalo leather canopy through which the invaders reach very close to the fort, escaping the attack of the fort guards. Akbar had built two such Sabats during the attack on Chittor in 1567 AD.
- महाराणा कुंभा द्वारा लगभग 32 दुर्गों का निर्माण करवाया गया था जिनमें प्रमुख निम्न हैं –
Maharana Kumbha had built about 32 forts, the main ones of which are as follows -
  - अचलगढ़ / Achalgarh
  - कुंभलगढ़ / Kumbhalgarh
  - बसंतगढ़ / Basantgarh

- मचान का दुर्ग / Machaan ka Durg
- कोलन व बदनौर के पास बैराट का दुर्ग
  Barat ka Durg near Kolan and Badanour